भंडारों में कमी, ग्रेड में गिरावट, अति गहराई पर खनन और कष्टकर खनन दशाओं के कारण, सोने का उत्पादन घट रहा है।

(ख) और (ग) उपर्युक्त (क) में व्यक्त कारणों के आलोक में तथा भारी वर्षा से खानों में बाढ़ आने की खराबी आदि के कारण से, कंपनी वर्ष 1991-92 के 790 कि. ग्रा. के उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाएगी।

(घ) सरकार ने सातवीं योजना से ही सोने के लिये गवेषण तेज कर दिया था और अब सोने का उत्पादन बढ़ाने की संभावना निर्धारित करने के लिए आंकड़ों का संयोजन कर रही है। इस बीच, भारत गोल्ड माइंस लि. द्वारा, अयस्क पछोड़न का शोधन करके तथा चिगारगुंटा स्थित उथले निक्षेपों का 8.00 करोड़ रु. की लागत से विकास करके, सोने का उत्पादन बढ़ाने के उपाय आरम्भ किए गए हैं।

3450. [*Transferred to the 19th December, 1991*]

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड द्वारा उपलब्ध निधियों का कल्याणकारी प्रयोजनों के लिए उपयोग में न लाया जाना

3451. **श्री राम अवधेश सिंह :** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पर्यावरण सुधार के साथ-साथ इस्पात कारखानों के समीप रहने वाले स्थानीय निवासियों के कल्याण के प्रयोजनार्थ विश्व बैंक द्वारा प्रदत्त धनराशि भारतीय इस्पात प्राधिकरण के पास जमा है परन्तु उसे उपयोग में नहीं ला जा रहा है; और

(ख) क्या कौंउन्सिल फॉर रूरल वेलफेयर नामक एक पंजीकृत संस्था द्वारा प्रस्तुत की गई एक परियोजना भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड के पास गत छः माह से लम्बित पड़ी है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव): (क) "सेल" के संयंत्रों में अन्य बातों के साथ-साथ पर्यावरण प्रबंध और प्रदूषण नियंत्रण का अध्ययन करने के लिए स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को विश्व बैंक से ऋण और अनुदान प्राप्त हुआ है। इस अध्ययन को दिसम्बर, 91 के अन्त तक पूरा किया जाना है। इस धन के कुछ भाग को प्रदूषण नियंत्रण संबंधी कुछ उपस्कर खरीदने के लिए इस्तेमाल करने के लिए "सेल" ने प्रस्ताव किया है और विश्व बैंक से इसकी स्वीकृति की प्रतीक्षा कर रहा है।

(ख) ग्रामीण विकास परिषद ने बोकारो स्टील सिटी के आसपास के ग्रामीण तथा जनजातीय क्षेत्रों में रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए एक उद्यम प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के संबंध में सेल को एक प्रस्ताव भेजा है। इस क्षेत्र में प्रचालनरत सरकारी क्षेत्र के अन्य उपक्रमों के परामर्श से "सेल" में इस प्रस्ताव की जांच की जा रही है।

सरकारी क्षेत्र के एकक

3452. **श्री राम अवधेश सिंह:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय के अधीन सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों की संख्या कितनी है और उनके नामों, मुख्यालय शेयर पूंजी, वर्तमान सम्पत्तियों तथा पिछले तीन वर्षों के दौरान उन्हें हुए लाभ एवं हानि का ब्यौरा क्या है;

(ख) विदेशी मुद्रा का संदाय करके विभिन्न देशों से किए गए सामान मशीनरी तथा कच्चे माल के आयात का ब्यौरा क्या है और इस माल का आयात किन-किन देशों की कौन-कौन सी कम्पनियों से किस कीमत पर किया गया था;